ाब्दसंसार

# क्रिया

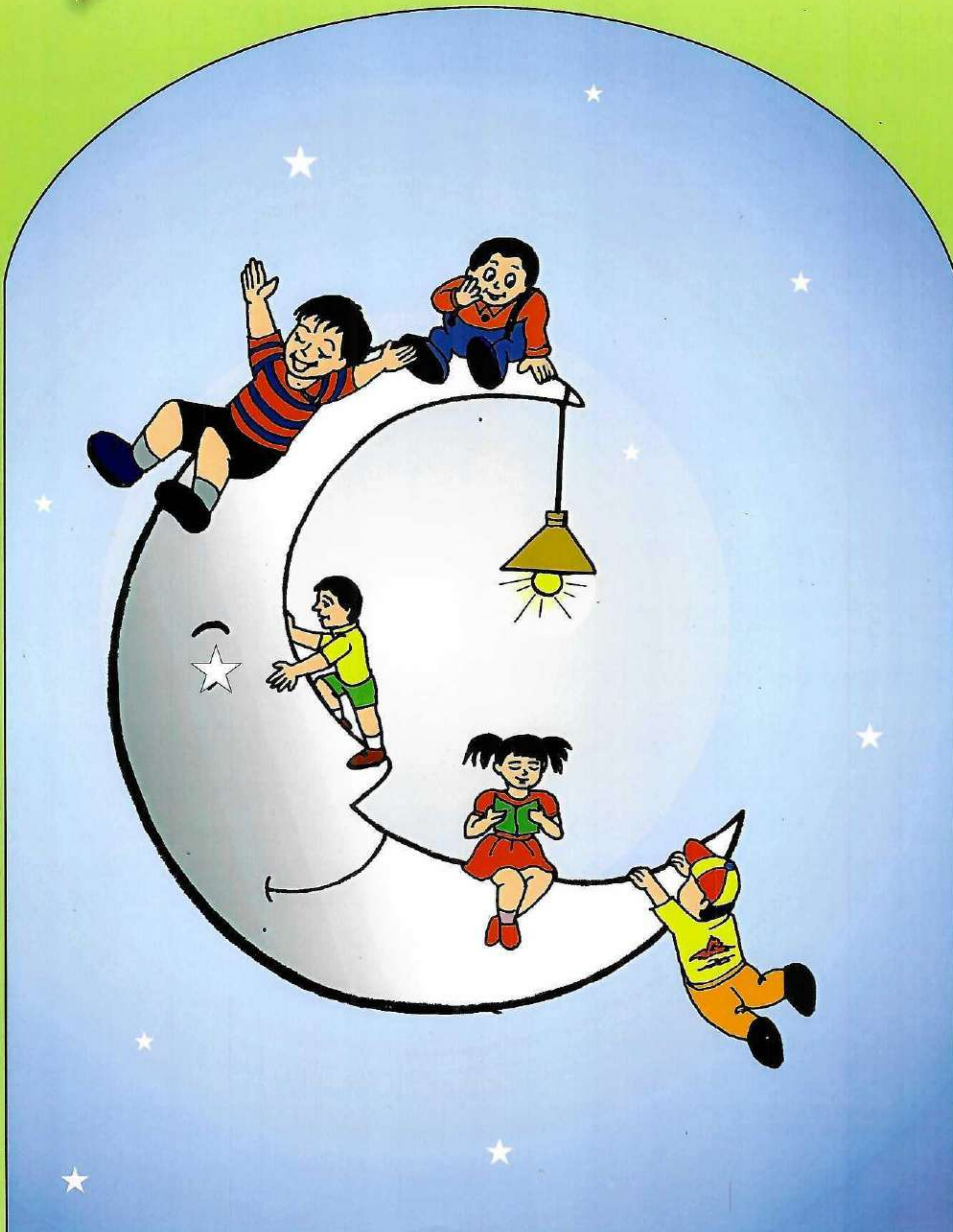

HLP Project S&T Mission Mode Government Of India
Department of Speech-Language Pathology
AYJNIHH, Bandra MUMBAI 400 050.

# ACKNOWLEDGMENT

A systematic training material easily accessible to teachers and parents of the language disordered children, a cherished distant dream has become a reality. Thanks to Science and Technology Mission Mode, Govt. of India for helping us realize this, by providing financial assistance. Their regular review and suggestions enabled us critically evaluate the material.

We are indebted to Shri Rangasayee, Director, A.Y.J.N.I.H.H. for motivating us to take up this comprehensive project and providing continuous support and guidance at every stage of the project.

Such extensive material needed critical evaluation for which we are grateful to Dr. Vijayalakshmi Basavraj, Dy. Director (Tech.), A.Y.J.N.I.H.H. who gave invaluable suggestions and support.

We highly appreciate and thank Dr. Geetha Mukundan, Reader & Head, Department of Speech-Language Pathology, A.Y.J.N.I.H.H. for providing departmental facilities and steady support throughout the project. Our special thanks to Mrs. Varsha Gathoo, Reader and Head, Department of Education, A.Y.J.N.I.H.H., for the feedback and suggestions which helped us to improve upon our earlier drafts.

We thank Dr. Sureshkumar, Ex-Director of Kendriya Hindi Sansthan, Agra and Dr. Medha Karbhari - Adhyaru for their guidance in finalizing the list of vocabulary of the books.

We appreciate the co-operative and unconditional support provided by the respective Principals and Teachers of the following Special Schools for The Hearing Impaired in Delhi and Mumbai, who in spite of their busy schedule dedicated their valuable time for field testing the material without which the material would not have taken this shape.

Asha Special School, New Delhi, Association of Welfare of Handicap, Faridabad, New Delhi, Awaz Special School for Deaf, New Delhi, Koshish School for Deaf, Malad, Mumbai, M.P.K. Welfare Centre for Hearing and Speech Handicapped, Harayana, Pragati School for Deaf, Dadar, Mumbai, Premalabai Chavan School for Deaf, New Delhi, Rochiram Thandhani School for Hearing Handicapped, Chembur, Mumbai, Shivaji Park School for the Deaf, Mahim, Mumbai, Shruti School for Deaf, Juhu, Mumbai, Utkarsha School for the Deaf, Vile Parle, Mumbai, Welfare Center for Impaired, Sonepat, New Delhi, Welfare Centre for Hearing and Speech Handicapped, Gurgaon, New Delhi.

The parents of children with hearing impairment provided us with positive feedback on this material and stressed the utility and need for such material. We are highly indebted to them. A heart felt thanks to them.

Development of the books would have been incomplete without the support of the proofreaders. We take this opportunity to thank Mrs. Namrata Pawar, Hindi Section, A.Y.J.N.I.H.H. and Mr. Chandravir Banshidhar Yadav for proof reading the material.

We acknowledge Prof. J.C. Sharma for helping us with statistical analysis.

We are grateful to Mrs. Meenal Umrao and Mrs. Nayna Shinde for their umatched consistent and robust hardwork and sometimes working during odd hours to catch up with the project work.

The prompt support always provided by Mr. Nitin Warekar, Hardware Engineer, Establishment, Accounts and Hindi Section is greatly valued.

Usha Dalvi
Principal Investigator

Sadhana Relekar
Co Investigator

# PROJECT DETAILS

*Funded by* : *S & T mission mode, Government of India.*

*Conducted by* : *Department of Speech-Language Pathology, Ali Yavar Jung National Institute for the Hearing Handicapped, Ministry of Social Justice and Empowerment, Government of India, Bandra,, Mumbai - 50.*

*Project Group:*

- *Principal Investigator* : *Mrs. Usha Dalvi (Lecturer, A.Y.J.N.I.H.H.)*
- *Co-Investigator* : *Ms. Sadhana Relekar (Lecturer, A.Y.J.N.I.H.H.)*

*Research Team:*

- *Linguist* : *Dr. Rita Mathur*
- *Special Educator* : *Mrs. Bindiya Kamble*
- *Special Educator* : *Mrs. Sneha Tambe*

*Illustrations:*

- *Commercial Artist* : *Ms. Leena Teli*
  *Ms. Varuna Naik*

*Layout and Visualization* : *Sun Graphics*

*Copy right:*

*All rights reserved. No part of this book may be reproduced stored in retrieval system, or transmitted in any means, electronic mechanical, photocopying, recorded or otherwise, without written permission of..................................*

## दो शब्द शिक्षकों एवम् अभिभावकों से

श्रवण बाधित बच्चों में भाषा ज्ञान के संवर्धन और परिवर्धन के लिए निरंतर प्रयास किए जाते रहे हैं। परंतु इन प्रयासों की जानकारी केवल कुछ ही लोगों को है जो इस समस्या के प्रति जागरुक हैं। यह भी देखने में आया है कि श्रवण बाधित बच्चों में बोलने की क्षमता व भाषिक विकास के लिए आवश्यक सामग्री का भी अभाव है। ये बच्चे संपूर्ण रूप से स्वस्थ एवं मानसिक रूप से सामान्य होते हैं, परंतु केवल श्रवण विकलांगता के कारण भाषिक ज्ञान से वंचित रह जाते हैं। इस कमी को पूरा करने के लिये ही यह पुस्तक मालिका प्रस्तुत की जा रही है। इस पुस्तक मालिका में क्रमिक रूप से भाषा के जटिल रूपों को सरल चित्रों व सरल लेखन के माध्यम से प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है। यह पुस्तक मालिका तीन वर्गों में विभाजित है। प्रथम - वर्ण संसार, दूवितीय - शब्द संसार तथा तृतीय - वाक्य संसार। जैसा कि नाम से विदित है, यह पुस्तकमालिका क्रमशः वर्णमाला, शब्द संरचना और वाक्य विन्यास का ज्ञान कराती है। भाषा का ज्ञान कराने वाली पुस्तकें बहुत सी हैं जो हिंदी की सभी व्याकरणिक कोटियों का ज्ञान कराती हैं, किंतु सभी पुस्तकें पाठ्यक्रम के अनुसार निर्मित हैं और सामान्य विद्यार्थी के लिए लाभप्रद भी है, पर ये श्रवण बाधित बच्चे अपनी विशिष्ट आवश्यकताओं के कारण उन पुस्तकों का लाभ नहीं उठा पाते। श्रवण विकलांगता के कारण वे प्रायः भाषा सीखने और उसके बहुत से प्रयोगों, उदाहरण स्वरूप भाषा के अलंकारिक प्रयोग से अनभिज्ञ रह जाते हैं। अतः इन बच्चों की शब्द आधारित भाषा सीखने की असमर्थता को ध्यान में रखते हुए ही इस पुस्तक मालिका की रचना की गई है।

'वर्ण संसार' की पुस्तिकाएँ वर्णों के आकार और रूप का ज्ञान कराती हैं। 'शब्द संसार' की पुस्तिकाएँ शब्दों के विभिन्न प्रयोगों और उनके व्यापक अर्थ का परिवर्धन कराती हैं तथा 'वाक्य संसार' की पुस्तिकाएँ विभिन्न वाक्यों की संरचना एवं हिंदी व्याकरण की जटिलताओं को सरल रूप से प्रस्तुत करने का प्रयास करती हैं। इस पुस्तक मालिका से दो वर्ष से आठ वर्ष के आयु वर्ग के श्रवण बाधित बच्चों में भाषा विकास संपूर्ण रूपसे हो जाएगा, यह समझना सही नहीं होगा। परंतु इस पुस्तक मालिका का प्रयोग इन बच्चों के अध्यापकों, अभिभावकों एवं अन्य वे सभी जो भाषा अल्पता एवं शुद्धता की समस्या को सुलझाना चाहते हैं, उनका पथ एवं दिशा निश्चित करने में सहायक होगी। साथ ही यह पुस्तकमालिका सभी बच्चों में भाषा अर्जन, बोलना, वाचन और लेखन क्षमताओं का विकास करने में भी सहायक सिद्ध होगी। कृपया इस विषय में अपने अनुभव हमें अवश्य बताएँ। इस पुस्तक मालिका को सहायक सामग्री के रूप में और अधिक परिवर्धित एवं उपयोगी करने की दिशा में आपके सुझाव आमंत्रित हैं।

धन्यवाद ...

# क्रिया

इस पुस्तिका में 'क्रिया' शब्दों के बारे मे बताया गया है। ये शब्द है, जिनसे 'किसी कार्य का होना' पाया जाता है। इसे समझाने के लिए कुछ क्रिया शब्दों का चित्रांकन करके समझाने का प्रयास किया गया है। इस पुस्तिका में दी हुई विविध गतिविधियाँ सीखे हुए क्रिया शब्दों का सामाजीकरण /स्थिरीकरण करने में उपयुक्त होगी।

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | चलना | 16. | पढ़ना |
| 2. | दौड़ना | 17. | लिखना |
| 3. | कूदना | 18. | तैरना |
| 4. | चढ़ना | 19. | डूबना |
| 5. | उतरना | 20. | नहाना |
| 6. | खाना | 21. | तोलना |
| 7. | पीना | 22. | सिलना |
| 8. | चखना | 23. | घिसना |
| 9. | धोना | 24. | सूखना |
| 10. | पोछना | 25. | टूटना |
| 11. | सोना | 26. | उड़ना |
| 12. | लेटना | 27. | हँसना |
| 13. | लोटना | 28. | खेलना |
| 14. | उठना | 29. | देखना |
| 15. | गिरना | 30 | रोना |

# क्रिया

## पाठ्यसूची


| क्र. | पाठ | पृष्ठ क्र. |
|---|---|---|
| 1. | चलना | 1 |
| 2. | खाना | 5 |
| | पुनरावलोकन | 9 |
| 3. | लोटना | 10 |
| 4. | देखना | 14 |
| | पुनरावलोकन | 18 |
| 5. | तैरना | 19 |
| 6. | उड़ना | 23 |
| | पुनरावलोकन | 27 |

# क्रिया

**'क्रिया' वाक्य को पूरा करके वाक्य को अर्थपूर्ण बनाती है। जिन शब्दों से किसी कार्य के होने या करने का पता चले उसे क्रिया कहते हैं।**

जैसे : 1) कुत्ता दौड़ता है। (इस वाक्य में दौड़ने की क्रिया हो रही है इसका पता चलता है।)

2) लड़की कूदती है। (इस वाक्य में कूदने की क्रिया हो रही है इसका पता चलता है।)

3) लड़की चलती है। (इस वाक्य में चलने की क्रिया हो रही है इसका पता चलता है।)

इन वाक्यों में दौड़ता, कूदता, चलता इन शब्दों से कार्य होने का पता चलता है। इसलिए ये **क्रियाएँ** है।

अब नीचे दिए वाक्य पढ़िए:

1) पिताजी चलते हैं।

2) लड़का चलता है।

3) लड़की चलती है।

ऊपर लिखे वाक्यों में 'चलते', 'चलता', और 'चलती' इन शब्दों में **'चल'** यह रूप समान रूप से सभी में है। इसे **धातु** कहते हैं। जब इस धातु को **ना** (प्रत्यय) लगता है तब उसे क्रिया का **'मूल रूप'** कहते हैं।

जैसे: चल-चलना, दौड़ - दौड़ना, देख - देखना, सुन-सुनना, कूद-कूदना ...............

# पाठ- 1

I) इस पाठ में हम चलना, दौड़ना, कूदना, चढ़ना और उतरना ये क्रियाएँ सीखेंगे।

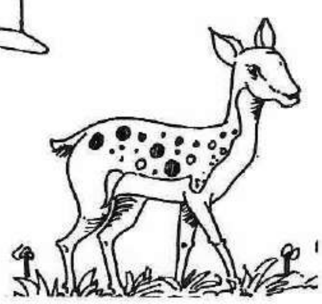

**धातु - चल**

**<u>चलना</u> - क्रिया का मूल रूप है।**

लड़का चलता है ।

औरत चलती है।

हिरन चलता है।

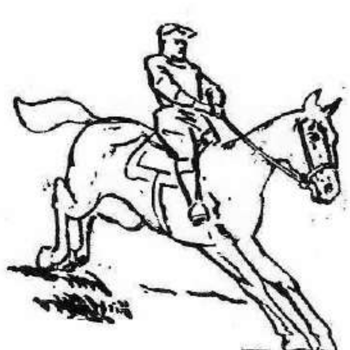

**धातु - दौड़**

**<u>दौड़ना</u> - क्रिया का मूल रूप है।**

लड़की दौड़ती है।

लड़का दौड़ता है।

घोड़ा दौड़ता है।

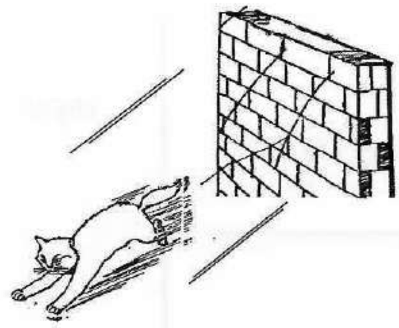
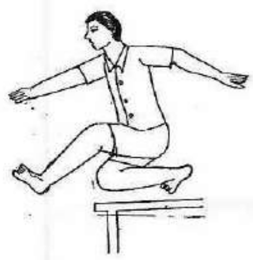

**धातु-चल**

**<u>कूदना</u>- क्रिया का मूल रूप है।**

लड़की कूदती है ।

बिल्ली कूदती है।

लड़का कूदता है।

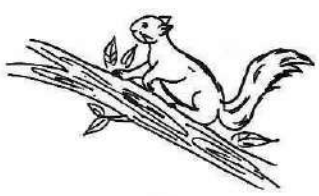

**धातु - चढ़**

**<u>चढ़ना</u>- क्रिया का मूल रूप है।**

लड़का स्टूल पर चढ़ता है।

औरत सीढ़ी चढ़ती है।

गिलहरी पेड़ पर चढ़ती है।

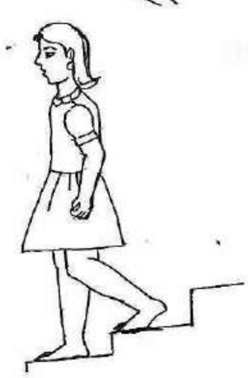
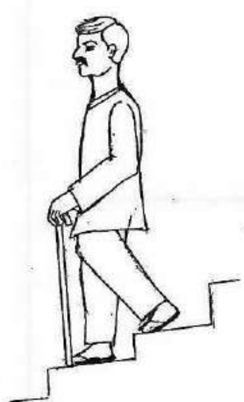
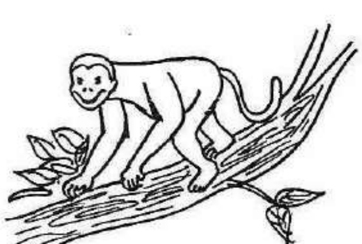

**धातु - उतर**

**<u>उतरना</u> - क्रिया का मूल रूप है।**

लड़की सीढ़ी से उतरती है ।

दादाजी सीढ़ी से उतरते हैं।

बंदर पेड़ से उतरता है।

I) शब्द को सही चित्र से जोड़ीए।

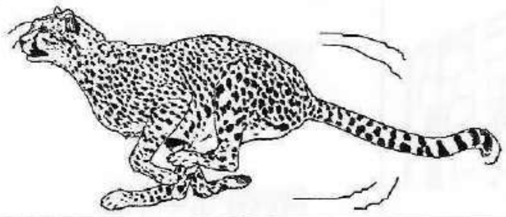

चढ़ना

उतरना

चलना

कूदना

दौड़ना

II) नीचे दिए शब्दों के धातु पहचानिए और उसपर (✓) निशान लगाइए।

जैसे: चलना - चल ✓ / चलती

1) दौड़ना - दौड़ता / दौड़

2) चढ़ता - चढ़ती / चढ़

3) उतरती - उतरता / उतर

4) कूदना - कूद / कूदता

III) क्रिया का मूल रुप पहचानिए।

जैसे : कुत्ता दौड़ता है। दौड़ / **दौड़ना**

1) चाची उतरती है। उतरना / उतर

2) राम कूदता है। कूद / कूदना

3) गिलहरी पेड़ पर चढ़ती है। चढ़ना / चढ़

4) भाई चलता है। चल / चलना

V) चित्र देखकर रिक्त स्थान पर सही क्रिया लिखिए ।

I

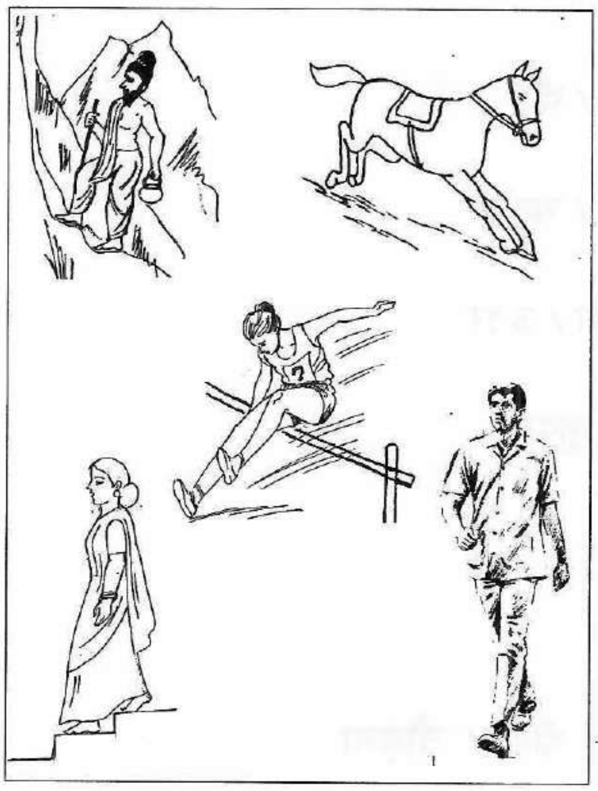

1) घोड़ा __________ है।

2) लड़की __________ है।

3) आदमी __________ है।

4) औरत सीढ़ियाँ __________ है ।

5) साधुजी पहाड़ __________ है।

V) निम्नलिखित क्रियाओं का प्रयोग करके वाक्ये बनाओ।

1) चलना ______________________________

2) कूदना ______________________________

3) उतरना ______________________________

4) दौड़ना ______________________________

5) चढ़ना ______________________________

# पाठ - 2

**इस पाठ में हम खाना, पीना, चखना, धोना, और पोंछना ये क्रियाएँ सीखेंगे।**

**धातु - खा**

**<u>खाना</u>- क्रिया का मूल रूप है।**

बच्चा खाना खाता है ।

औरत फल खाती है ।

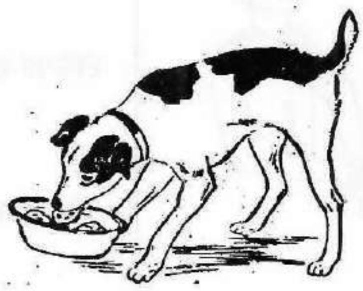

कुत्ता रोटी खाता है ।

**धातु - पी**

**<u>पीना</u>- क्रिया का मूल रूप है।**

लड़की ज्यूस पीती है।

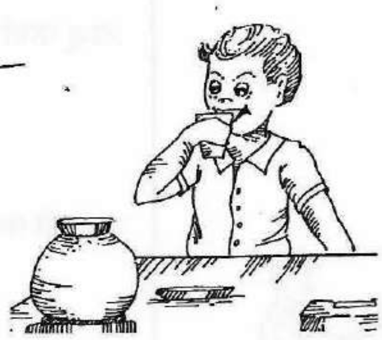

लड़का पानी पीता है।

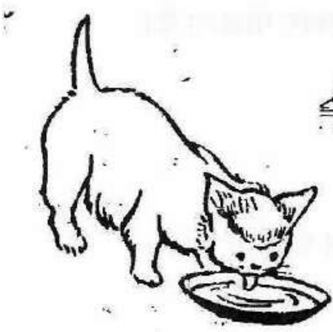

बिल्ली दूध पीती है ।

**धातु - चख**

**<u>चखना</u>- क्रिया का मूल रूप है।**

पिताजी खीर चखते हैं।

लड़की खीर चखती है।

राजन दाल चखता है।

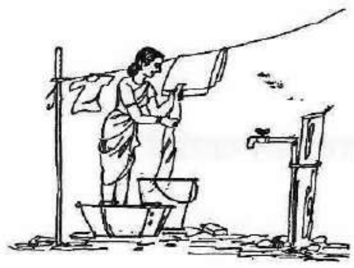

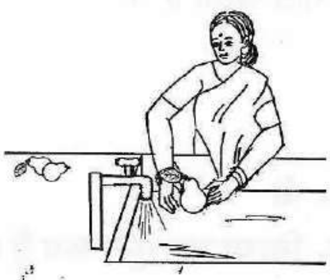

**धातु - धो**

**<u>धोना</u>- क्रिया का मूल रूप है।**

माँ कपड़े धोती हैं।

लड़का हाथ धोता हैं।

औरत फल धोती हैं।

**धातु - पोंछ**

**<u>पोंछना</u> - क्रिया का मूल रूप है।**

राजू फर्श पोंछता है।

आदमी कार पोंछता है।

माँ टेबल पोंछती है।

I) शब्द को सही चित्र से जोड़िए।

धोना

पोंछना

पीना

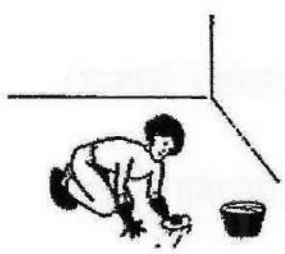

खाना

चखना

II) नीचे दिए गए क्रियाओं के धातू पहचानिए और इस पर ( ✓ ) का निशान लगाइए।

(1) खाएगा - ✓ खा / खिला

(2) पीना - पी / पीता

(3) चखती - चखना / चख

(4) पोंछना - पोंछती / पोंछ

(5) धोना - धो / धुलवाना

III) **क्रिया का मूल रूप पहचानिए।**

जैसे : बच्चा खाता है। (खाना / खिलाना)

1) माँ खाना चखती है। (चख / चखना)

2) बच्चा पानी पीता है। (पिलाना / पीना)

3) चाचाजी लड्डू खाते हैं। (खाना / खाती)

4) धोबी कपड़े धोता है। (धुलाना / धोना)

5) रमा घर पोंछती है। (पोंछना / पोंछ)

## IV) चित्र देखकर रिक्त स्थान भरिए।

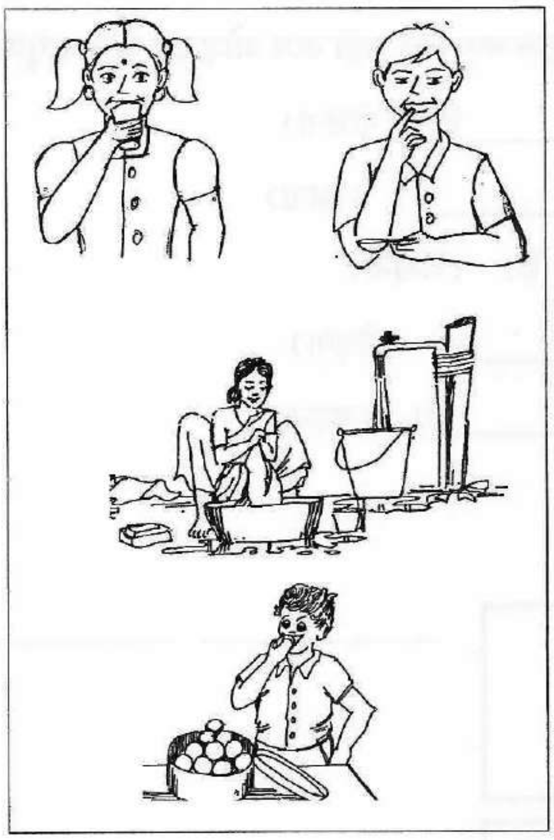

1) लड़की शरबत __________ है।

2) राजू चटनी __________ है।

3) औरत कपड़े __________ है।

4) लड़का लड्डू __________ है ।

## V) निम्नलिखित क्रियाओं का प्रयोग करके वाक्य बनाइए ।

1) पोंछना ______________________________

2) पीना ______________________________

3) चखना ______________________________

4) धोना ______________________________

5) खाना ______________________________

## पुनरावलोकन

**(चलना, दौड़ना, कूदना, चढ़ना, उतरना, खाना, पीना, चखना, धोना, पोंछना)**

**I) कोष्टक मे दिए मूल क्रिया के मूल रूप की सही रूप जोड़कर वाक्य पूर्ण करो।**

1) लड़का थाली ____________ है। (पोंछना)

2) मीना आइसक्रीम ____________ है। (खाना)

3) माँ दाल ____________ है। (चखना)

4) चीता तेज ____________ है। (दौड़ना)

5) बच्चे पहाड़ पर ____________ है। (चढ़ना)

**II) चित्र देखकर वाक्य लिखो।**

1) ____________________

2) ____________________

3) ____________________

4) 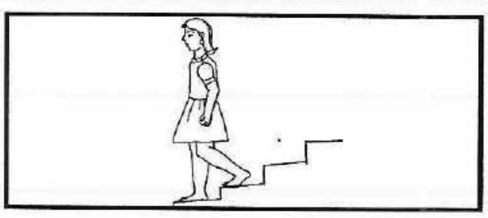 ____________________

5) 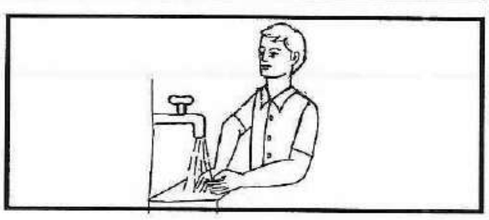 ____________________

# पाठ - 3

**I) इस पाठ में हम लोटना, लेटना, सोना, उठना और गिरना ये क्रियाएँ सीखेंगे।**

**<u>धातु</u> - लोट**

**लोटना- क्रिया का मूल रूप है।**

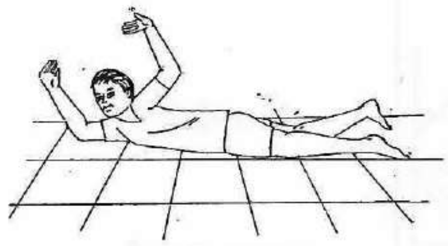

लड़का जमीन पर लोटता है ।

कुत्ता जमीन पर लोटता है।

**<u>धातु</u> - लेट**

**लेटना- क्रिया का मूल रूप है।**

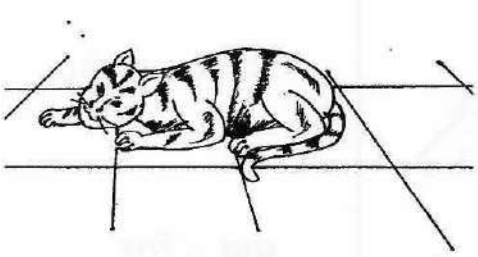

बिल्ली फर्श पर लेटी है।

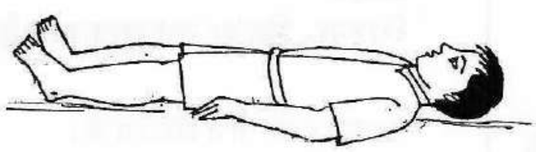

लडका जमीन पर लेटा है

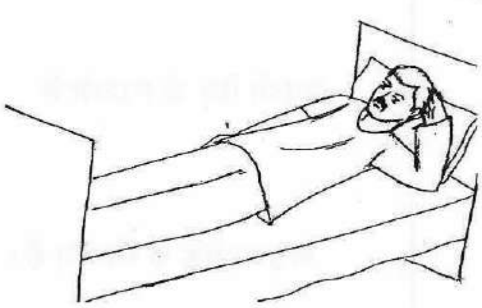

आदमी पलंग पर लेटा है।

**<u>धातु</u> - सो**

**सोना- क्रिया का मूल रूप है।**

लड़की सोती है।

औरत सोती है।

आदमी सोता है ।

**<u>धातु</u> - उठ**

**उठना - क्रिया का मूल रूप है।**

लड़का उठता है ।

औरत उठती है।

लड़की उठती है।

**<u>धातु</u> - गिर**

**गिरना- क्रिया का मूल रूप है।**

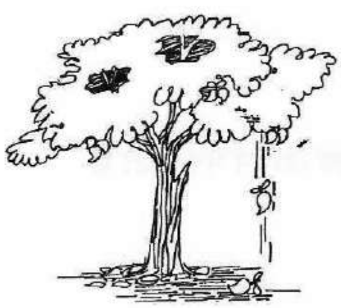
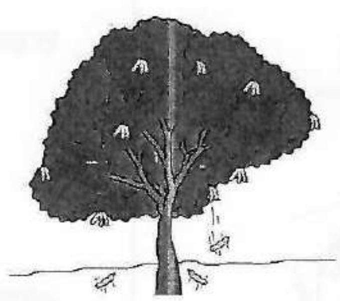

फल पेड़ से नीचे गिरता है।

इमली पेड़ से गिरती है

लड़का पेड़ से गिरता है।

**I) शब्द को सही चित्र से जोडिए।**

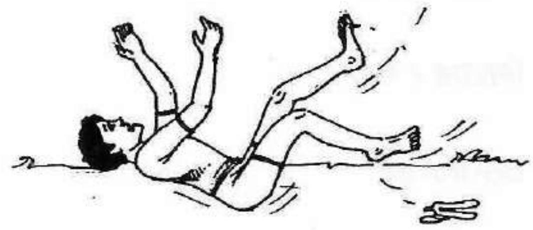

लोटना

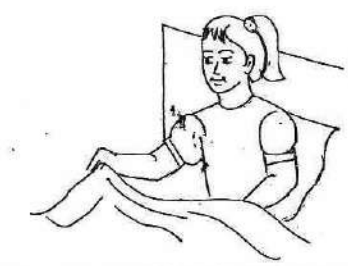

लेटना

उठना

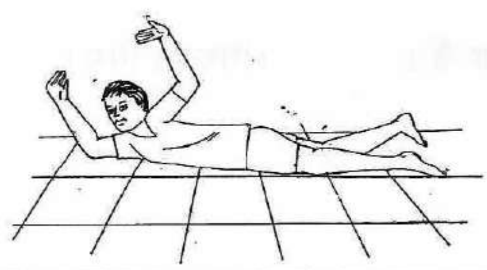

गिरना

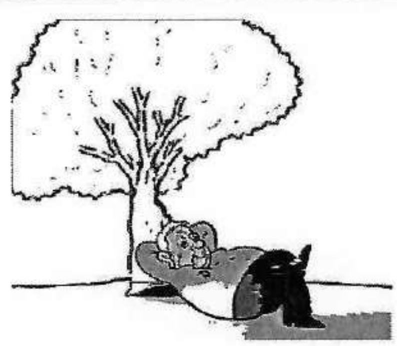

सोना

II) **नीचे दिए गए शब्दों के धातु पहचानिए और उस पर (✓) का निशान लगाइए।**

(1) लोटना - लोट / लुटना

(2) लेटना - लिटाना / लेट

(3) उठना - उठता / उठ

(4) सोना - सो / सोता

(5) गिरना - गिर / गिरी

III) **क्रिया का मूल रुप पहचानिए ।**

(1) बच्चा जमीन पर लोटता है। (लोटना / लेटती)

(2) हम सब रात को सोते हैं। (सुलाना / सोना)

(3) लता जमीन पर से उठती है । (उठना / लेटती)

(4) पिताजी पलंग पर लेटे है । (लेटना / लेटती)

(5) पेड़ पर से फल गिरता है । (गिरना / गिरा)

## IV) चित्र देखकर रिक्त स्थान भरिए।

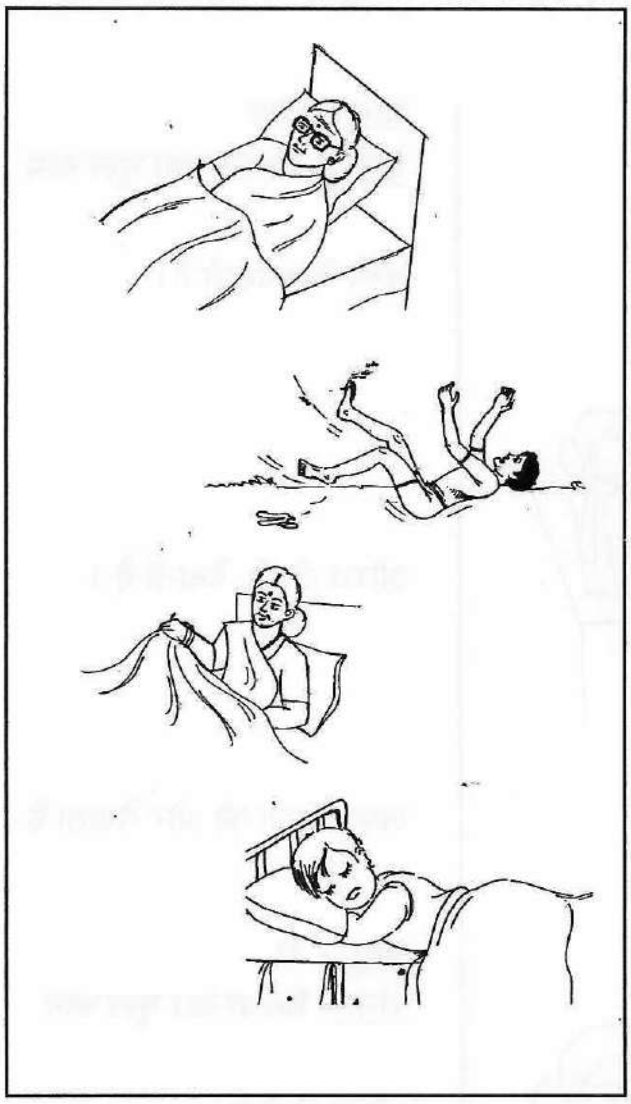

1) दादी पलंग पर __________ है।

2) लड़का नीचे __________ गया।

3) माँ सुबह जल्दी __________ है।

4) बच्चा __________ है।

## V) निम्नलिखित क्रियाओं का प्रयोग करके वाक्य बनाइए।

1) सोना ______________________________

2) गिरना ______________________________

3) लोटना ______________________________

4) उठना ______________________________

# पाठ-4

**I) इस पाठ में हम देखना, रोना, हँसना, पढ़ना और लिखना ये क्रियाएँ सीखेंगे।**

**<u>धातु</u> - देख**
**<u>देखना</u>- क्रिया का मूल रूप**

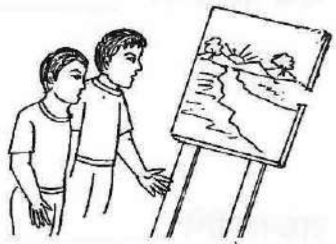

बच्चे चित्र देखते हैं।

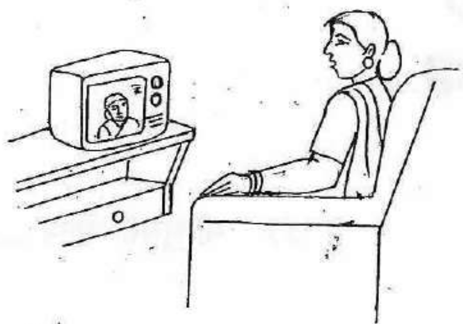

औरत टी.वी. देखती है ।

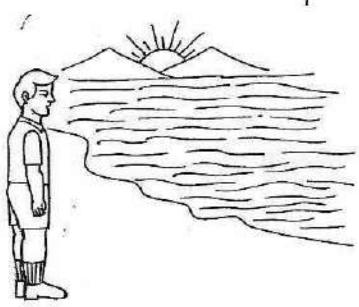

लड़का पानी की ओर देखता है ।

**<u>धातु</u> - रो**
**<u>रोना</u> - क्रिया का मूल रूप**

औरत रोती है।

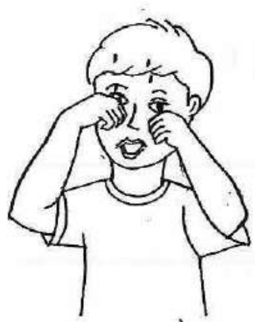

लड़का रोता है।

लड़का गिरने पर रोता है ।

**धातु - हँस**

**<u>हँसना</u>-क्रिया का मूल रूप है।**

दादाजी हँसते हैं ।

लड़की हँसती है।

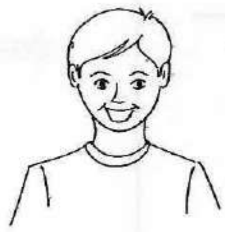

लड़का हँसता है।

**धातु - पढ़**

**<u>पढ़ना</u> - क्रिया का मूल रूप है।**

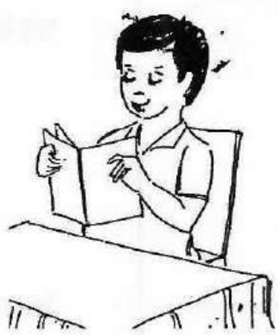

लड़का किताब पढ़ता है ।

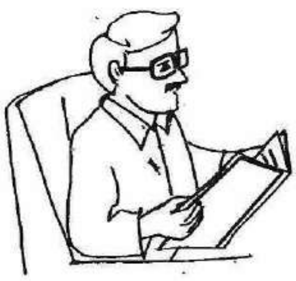

पिताजी अखबार पढ़ते हैं।

लड़की पत्र पढ़ती है।

**धातु - लिख**

**<u>लिखना</u>-क्रिया का मूल रूप है।**

लड़का कापी में लिखता है।

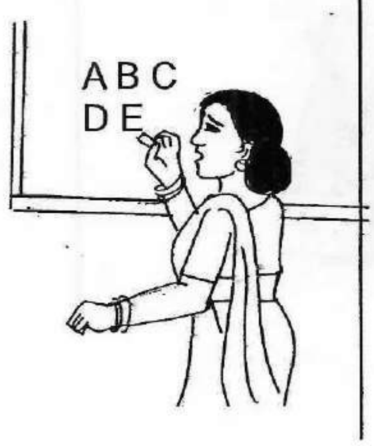


शिक्षिका फलक पर लिखती है।

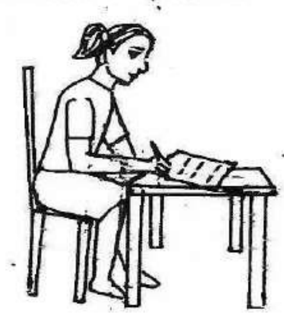

लड़की चिट्ठी लिखती है।

I) **शब्द को सही चित्र से जोड़िए।**

रोना

हँसना

पढ़ना

देखना

लिखना

II) नीचे दिए गए शब्दों के धातु पहचानिए और उस पर ( ✓) का निशान लगाइए।

| | | | |
|---|---|---|---|
| (1) | देखना | - | दिखता / देख ✓ |
| (2) | रोना | - | रो / रूलाना |
| (3) | हँसना | - | हँसता / हँस |
| (4) | पढ़ना | - | पढ़ / पढ़ती |
| (5) | लिखना | - | लिख / लिखती |

III) क्रिया का मूल रूप पहचानिए।

| | | |
|---|---|---|
| (1) | बच्चा रोता है। | (रोना / रोती) |
| (2) | लड़कियाँ जोकर देख कर हँसती है। | (हँसना / हँसता) |
| (3) | रमा बहुत अच्छा पढ़ती है। | (पढता / पढ़ना) |
| (4) | श्यामा पत्र लिखती है। | (लिखना / लिखते) |
| (5) | बच्चे बंदर का नाच देखते हैं। | (देखना / देखती) |

IV) **चित्र देखकर रिक्त स्थान भरिए।**

1) बच्चे सिनेमा __________ है।

2) खिलौना टूटने पर बच्ची ______ है।

3) माँ ने चाकलेट देने पर बच्चा ______ है।

4) रामू किताब __________ है।

5) रामू कापी में __________ है।

V) **निम्नलिखित क्रियाओं का प्रयोग करके वाक्य बनाइए।**

1) लिखना ________________________________

2) रोना ________________________________

3) देखना ________________________________

4) पढ़ना ________________________________

5) हँसना ________________________________

# पुनरावलोकन

**(सोना, लेटना, लोटना, उठना, गिरना, देखना, रोना, हँसना, पढ़ना, लिखना)**

**I) सही शब्द लिखकर रिक्त स्थान भरिए।**

1) बच्चा फर्श पर ____________ है। (लोटना)

2) माँ डाँटने पर रीमा ____________ है। (रोना)

3) मेज से पेन नीचे ____________ है। (गिरना)

4) काम करने के बाद औरत _______ है। (लेटना)

5) रमेश ____________ है। (हँसना)

**II) चित्र देखकर वाक्य लिखिए।**

1) 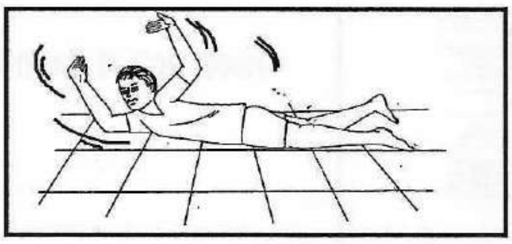 ______________________

2) ______________________

3) 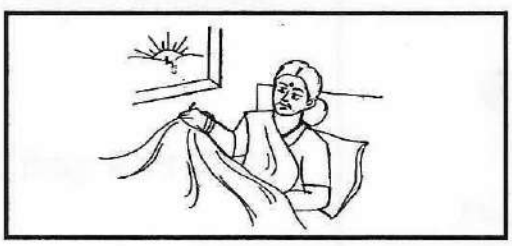 ______________________

4) 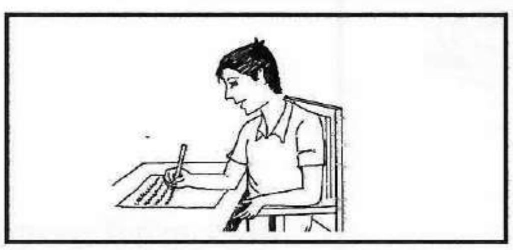 ______________________

# पाठ - 5

**I) इस पाठ में हम तैरना, डूबना, नहाना, तोलना और सिलना ये क्रियाएँ सीखेंगे।**

**धातु - तैर**
**<u>तैरना</u> - क्रिया का मूल रूप है।**

लड़का नदी में तैरता है।

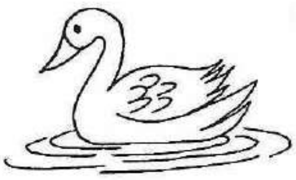

बत्तख पानी में तैरता है ।

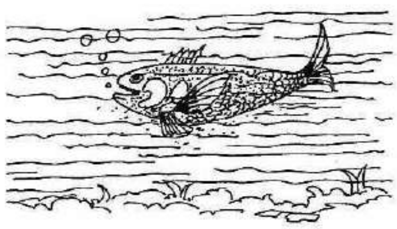

मछली पानी में तैरती है।

**धातु - डूब**
**<u>डूबना</u> - क्रिया का मूल रूप है।**

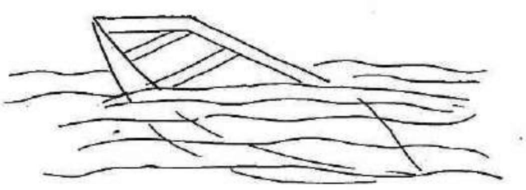

नाव पानी में डूबती है।

लड़की नदी में डूबती है ।

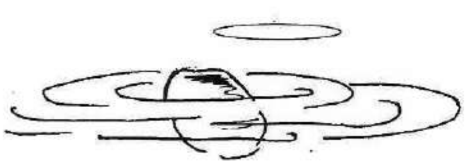

पत्थर पानी में डूबता है ।

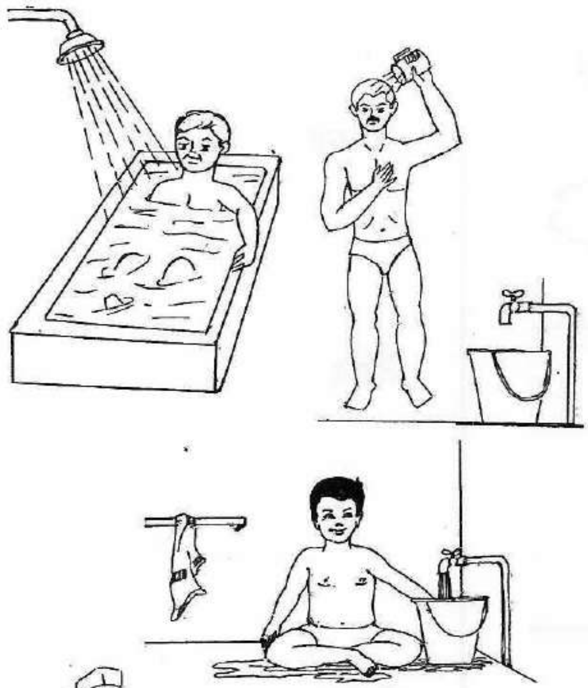

**धातू - नहा**
**<u>नहाना</u> - क्रिया का मूल रूप है।**

राजू रोज सुबह नहाता है।

बच्चा नहाता है ।

पिताजी नहाते है।

**धातु - तोल**
**<u>तोलना</u> - क्रिया का मूल रूप है।**

सब्जीवाला सब्जी तौलता है ।

औरत फल तौलती है ।

दुकानदार सामान तौलता है।

**धातु - सिल**
**<u>सिलना</u> - क्रिया का मूल रूप है।**

दर्जी कपड़े सिलता है ।

माँ कमीज़ सीती है।

दादाजी कपड़े सीते हैं।

**IV) शब्द को सही चित्र से जोडिए।**

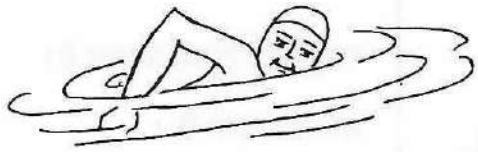

सिलना

तैरना

तौलना

नहाना

डूबना

**II) नीचे दिए गए शब्दों के धातु पहचानिए और उस पर ( ✓) का निशान लगाइए।**

(1) डूबना - डूब ✓ / डूबती

(2) तौलना - तौल / तौलते

(3) तैरना - तैरता / तैर

(4) नहाना - नहा / नहाता

(5) सिलती - सिलना / सिल

**III) क्रिया का मूल रूप पहचानिए।**

(1) लड़का पानी में तैरता है। (तैरना / तैरता)

(2) नाँव पानी में डूब गई। (डूबी / डूबना)

(3) माँ कपड़े सिलती है। (सिलना / सिल)

(4) हम सब रोज नहाते हैं। (नहाती / नहाना)

(5) फल वाला फल तौलता है। (तौलना / तौलते)

**IV) चित्र देखकर रिक्त स्थान भरिए।**

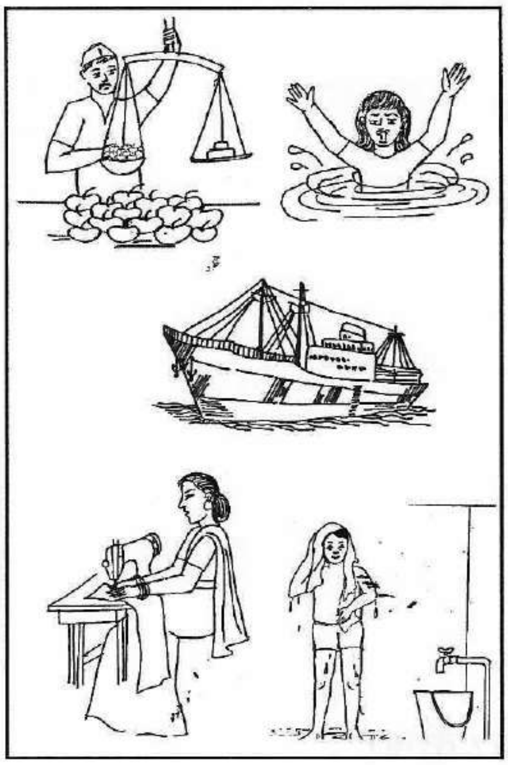

1) फलवाला फल __________ है।

2) सीमा नदी में __________ है ।

3) जहाज __________ है ।

4) माँ कपड़े __________ है।

5) हम रोज सुबह __________ है।

**V) निम्नलिखित क्रियाओं का प्रयोग करके वाक्य बनाइए ।**

1) डूबना ____________________

2) सिलना ____________________

3) नहाना ____________________

4) तोलना ____________________

5) तैरना ____________________

# पाठ - 6

**I) इस पाठ में हम उड़ना, खोलना, घिसना, सूखना और टूटना ये क्रियाएँ सीखेंगे।**

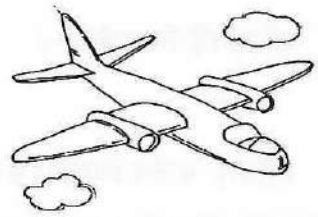

**धातु - उड़**

**उड़ना- क्रिया का मूल रूप**

हवाई जहाज आसमान में उड़ता है।

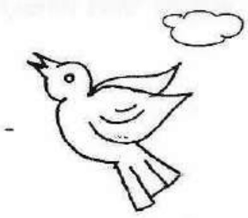

पंछी आसमान में उड़ता हैं ।

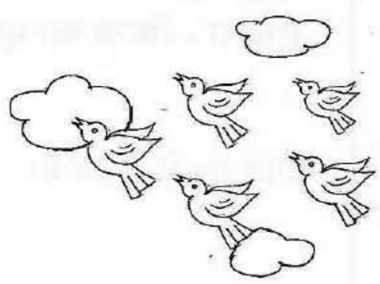

चिड़ियाँ आसमान में उड़ती हैं ।

**धातु - खोल**

**<u>खोलना</u> - क्रिया का मूल रूप है।**

लड़की बस्ता खोलती है ।

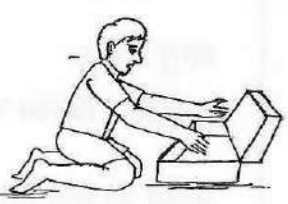

लड़का संदूक खोलता है ।

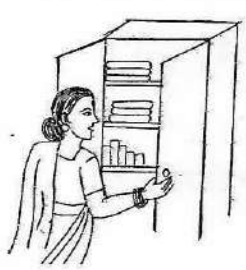

औरत अलमारी खोलती है ।

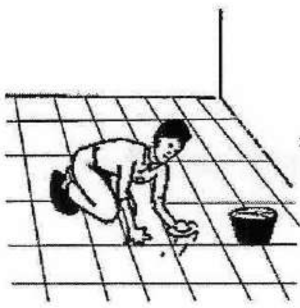

**धातु - घिस**

**घिसना - क्रिया का मूल रूप है।**

माँ कपड़े घिसती है ।

औरत  बर्तन घिसती है।

लड़का फर्श घिसता है।

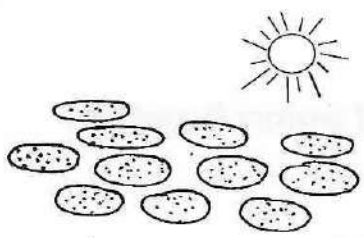

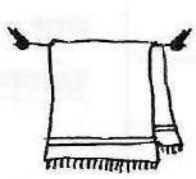

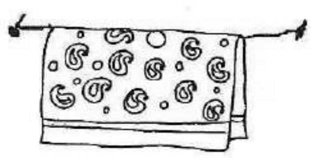

**धातु - सूख**

**सूखना - क्रिया का मूल रूप है।**

पापड़ धूप में सूखते हैं।

तौलिया तार पर सूखता है ।

साड़ी रस्सी पर सूखती है।

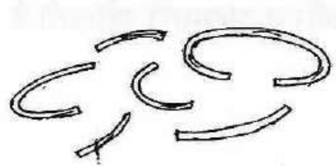

**धातु - टूट**

**<u>टूटना</u> - क्रिया का मूल रूप है।**

बच्ची का खिलौना टूटा।

काँच टूटी ।

चूडियाँ टूटी।

I) **शब्द को सही चित्र से जोड़िए।**

सूखना

टूटना

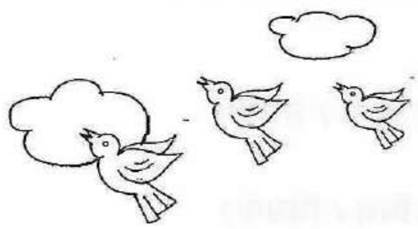

घिसना

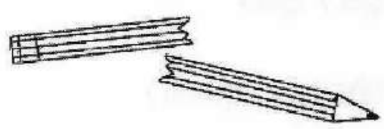

उड़ना

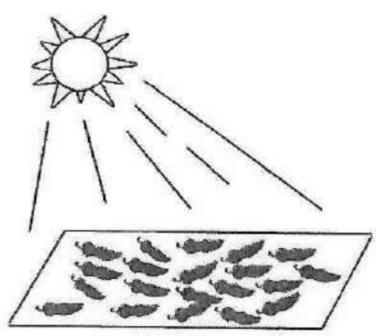

खोलना

**II) नीचे दिए गए शब्दों के धातु पहचानिए और उस पर (✓) का निशान लगाइए ।**

(1) खोलती - खोल / खोलना ✓

(2) उड़ना - उड़ / उड़ती

(3) घिसना - घिस / घिसता

(4) टूटा - टूटना / टूट

(5) सूखना - सूख / सूखता

**III) क्रिया का मूल रूप पहचानिए।**

(1) पक्षी आकाश में उड़ते हैं। (उड़ना / उड़ती)

(2) माँ बरतन घिसती है। (घिस / घिसना)

(3) शीश टूटा है। (टूटी / टूटा)

(4) पिताजी दरवाजा खोलते हैं। (खोलता / खीलना)

(5) कपड़े धूप में सूखते हैं। (सूखना / सुखती)

**IV) चित्र देखकर रिक्त स्थान भरिए ।**

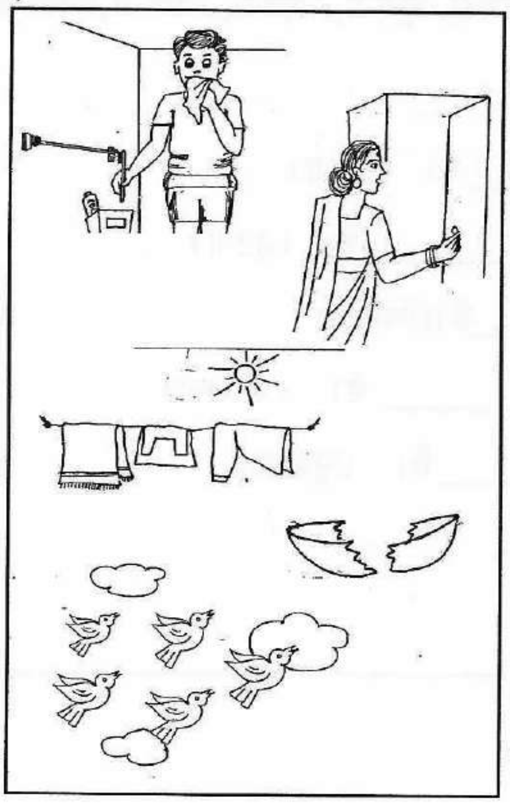

1) राहुल ब्रश से बाथरूम ________है।

2) पंछी आसमान में ________ हैं।

3) माँ दरवाजा ________ है।

4) काँच का बर्तन ________ है ।

5) धूप में कपड़े ________ है।

**V) निम्नलिखित क्रियाओं का प्रयोग करके वाक्य बनाइए।**

1) घिसना ____________________

2) सूखना ____________________

3) उड़ना ____________________

4) खोलना ____________________

5) टूटना ____________________

# पुनरावलोकन

**(उड़ना, खोलना, घिसना, सूखना, टूटना, तैरना, डूबना, नहाना, तोलना,सिलना)**

**I) सही शब्द लिखकर रिक्त स्थान भरिए ।**

1) पंछी आसमान में ____________ है। (उड़ना)

2) गिरने से काँच की वस्तुएँ ____________ है। (टूटना)

3) औरत कपड़े पर साबुन __________ है।(घिसना)

4) लड़का पिंजरे का दरवाजा ____________ है। (खोलना)

5) धूप में माँ की साड़ी ____________ है। (सूखना)

**II) चित्र देखकर वाक्य लिखिए ।**

1) ____________________________

2) 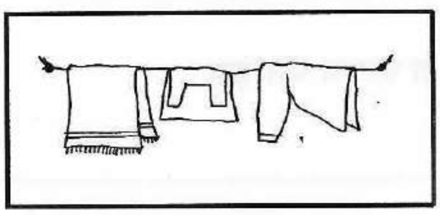 ____________________________

3) 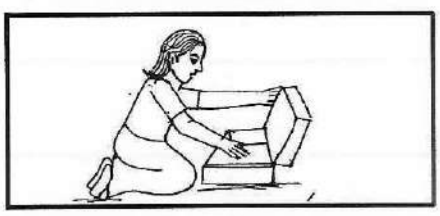 ____________________________

4) 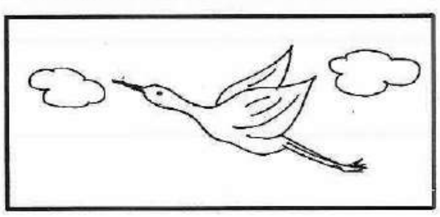 ____________________________

# आओ हिंदी सीखे

* रोचकता से हिंदी भाषा सिखाने के लिए आओ हिंदी सीखे पुस्तक मालिका 3 स्तरों पर उचित क्रम से (जैसे- सरलतम से कठिनतम) की गयी है।

* ये किताबें आकर्षक चित्रों से, मनोरंजक कहानियों से तथा पात्रों से परिपूर्ण हैं, जिससे बच्चा आसानी से एवम् सरलता से हिंदी भाषा सीख पाएगा।

* इसमें दी हुई गतिविधियाँ बच्चों को पढ़ाई हुई संकल्पना स्थिर और दृढ़ करने में प्रयत्न करती हैं।

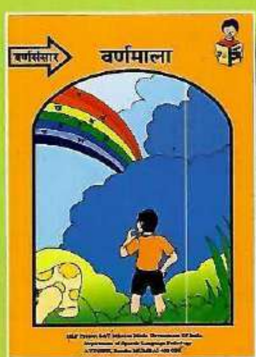


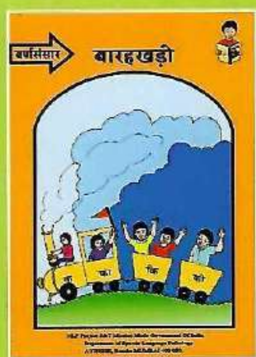


**वर्ण संसार**
- वर्णमाला
- बारहखड़ी
- संयुक्ताक्षर

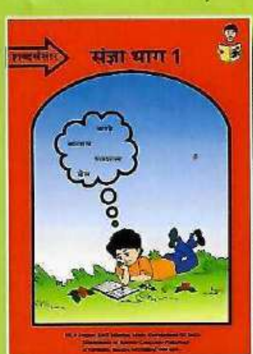


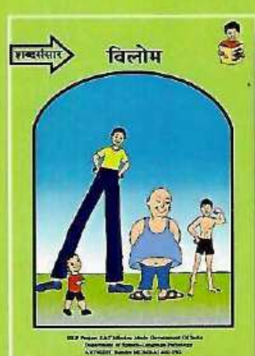


**शब्द संसार भाग -1**
- संज्ञा भाग -1
- संज्ञा भाग -2
- संज्ञा भाग -3
- संज्ञा भाग -4
- विलोम

**शब्द संसार भाग -2**
- शब्द एक अर्थ अनेक
- अर्थ एक शब्द अनेक
- विशेषण
- अनुप्रासक शब्द
- ऊनार्थक

**भाग -3**
- क्रिया
- क्रिया काल रूप
- प्रेरणार्थक क्रिया
- शब्द रूप परिवर्तन
- सर्वनाम

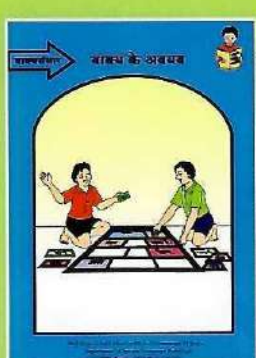

**वाक्य संसार**
- वाक्य-1 वाक्य के अवयव
- वाक्य-2 रचना के प्रकार
- वाक्य-3 अर्थ के प्रकार
- वाक्य-4 वाच्य के प्रकार
- वाचन और लेखन कौशल्य

* भाषिक वातावरण का निर्माण करके बच्चों में पढ़ने की इच्छा बढ़ाती है।